has been discontinued in its present form, from the 1st August, 1960.

Salient features of the scheme were:—

(i) Training was imparted through peripatetic parties consisting of two trainers—one of the rank of District Social Education Organiser or Chief Social Education Organiser and the other of the rank of Social Education Organiser, in camps of one month's duration where about 50 primary village school teachers were to be trained.

(ii) The scheme was started in the year 1957-58 and all expenditure involved except the pay of the teachers participating in the training camps was met out of funds provided by Ford Foundation and the Government of India. The State Governments did not have to meet any direct expenditure except that they had to continue to pay the salaries and allowances of teachers who joined the camps as trainees.

(iii) All the then 14 States were allotted one team each, except the three bigger States of Uttar Pradesh, Bombay and Madhya Pradesh who were allotted two teams each. The teachers of the Union Territories were trained in the camps conducted by peripatetic teams of the adjoining States.

In view of the importance of this training it is felt that instead of conducting it on *'ad hoc'* basis through peripatetic camps, it should be made an integral part of a Primary Teachers' Training Course. Proposals to this effect are under consideration.

S.E. Railway District Signal Telecommunication Engineering Office

1355. Shri Aurobindo Ghosal: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether the District Signal Telecommunication Engineering Office of S.E. Railway is proposed to be shifted from Garden Reach, Calcutta, to any place in Madhya Pradesh; and

(b) if so, the reasons thereof?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सुरेमनपुर–गवटी रेलवे लाइन

१३५६. श्री राधा मोहन सिंह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी डिवीजन में सुरेमनपुर और रावटी स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन को टूटने से बचाने के लिये घाघरा नदी में जिन ठोकरों का निर्माण किया जा रहा था वह अचानक रोक दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि घाघरा नदी के कारण रेलवे लाइन टूटने की घटनाओं में इस निर्माण कार्य के फलस्वरूप गत तीन वर्ष में काफी कमी हो गई थी ; और

(घ) निर्माण कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) जी नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

(ग) १९५७–५८ और १९५८–५९ के काम के मौसम में उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने कई पनालीदार ठोकरें (permeable spurs) बनवायी थीं । इन ठोकरों का आधा खर्च राज्य सरकार और आधा रेल-प्रशासन ने दिया था । यद्यपि इन ठोकरों से नदी का कटाव पूरी तरह नहीं रुका, फिर भी कुछ हद तक कटाव में कमी हुई है ।

(घ) पूना के अनुसंधान केन्द्र ने इस बारे में माडल बनाकर परीक्षण भी किये थे ।

इस केन्द्र ने अब यह सिफारिश की है कि बचाव के दूसरे कामों के साथ साथ वहां पत्थर की चार नयी ठोकरें बना दी जायें। अगले काम के मौसम में नयी ठोकरें बनाने का काम शुरू करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध किया गया है। बचाव से सम्बंधित इन कामों का भी आधा खर्च रेल प्रशासन द्वारा दिया जा सकता है।

मध्य प्रदेश में प्रयोगात्मक ग्रामीण डाकघर

१३५७. **श्री जांगड़े :** क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी छत्तीसगढ़ के मैदानों में कितने प्रयोगात्मक ग्रामीण डाकघर बन्द कर दिये गये हैं ;

(ख) गत पांच वर्षों में इसी क्षेत्र में कितने नये डाकघर खोले गये हैं ;

(ग) इन मैदानों में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और रायगढ़ के शहरों में टेलीफोन एक्सचेंजों में नये टेलीफोन लगाने के लिये कितने आवेदन पत्र अभी तक विचाराधीन हैं ; और

(घ) ये टेलीफोन कब तक लगाये जायेंगे ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (डा० प० सुब्बारायन) : (क)

उत्तरी छत्तीसगढ़ के मैदान	७
दक्षिणी छत्तीसगढ़ के मैदान	७
(ख) उत्तरी छत्तीसगढ़ के मैदान	२३७
दक्षिणी छत्तीसगढ़ के मैदान	१६१
(ग) रायपुर	३५६
बिलासपुर	१४६
दुर्ग	३४
रायगढ़	७०

(घ) इन टेलीफोन केन्द्रों में टेलीफोन देने की पर्याप्त क्षमता उपलब्ध नहीं है। इन टेलीफोन केन्द्रों की क्षमता बढ़ाने के लिये कार्रवाई की जा चुकी है और जब आवश्यक साधन उपलब्ध होंगे संयोजन दे दिये जायेंगे अतः कोई निश्चित तारीख नहीं बताई जा सकती।

Schools run by S.E. Railway

1358. { **Kumari M. Vedakumari:**
Shri Rami Reddy:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the number of schools run by the South-Eastern Railway;

(b) the total number of children being educated therein;

(c) the number of teachers employed in these schools; and

(d) the number of languages used as medium of instruction?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):

(a) Traditional type schools .	35
Single teacher Primary schools	68
TOTAL .	103
(b) Traditional type schools .	16,214
Single Teacher Primary Schools. . . .	2,480
TOTAL .	18,694
(c) Traditional type schools .	628
Single Teacher Primary schools	68
TOTAL	696

(d) Six languages (Hindi, Bengali, Telugu, Oriya, Urdu and English).

Publications on Agriculture

1359. **Kumari M. Vedakumari:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether Indian Council of Agricultural Research and **Extension**